Daily Current Affairs

Topic 1 :- इस साल के अंत तक भारत अमेरिका से 31 ड्रोन खरीदेगा

चर्चा में क्यों :- पाकिस्तान और चीन के द्वारा अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ड्रोन शामिल किए जा रहे है भारत भी इन दोनों से मुकाबला करने के लिए आने वाले समय में बड़ी मात्रा में ड्रोन शामिल करने वाला है।

ड्रोन क्या होते हैं:-

1.यह हवा में उड़ने वाले मानव रहित विमान होते हैं जिन्हें उड़ाने के लिए पायलट की आवश्यकता नहीं होती।

2.इन्हें लंबे समय तक हवा में उड़ा सकते हैं।

3. यह मुख्ता शत्रु देश पर नजर रखने के काम आते हैं।

4. वर्तमान में आने वाली अत्यधिक ड्रोन नजर रखने के साथ-साथ हमला भी करते हैं।

- **क्यों खरीदे जा रहे हैं यह ड्रोन :-** भारत के सामने टु फ्रंट वॉर की संभावना है तथा भारत के दो पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन लगातार अपनी सैन्य क्षमताओं में वृद्धि कर रहे हैं।
- चीन लगातार पांच साल से पूर्वी लद्दाख में सैन्य टकराव की स्थिति बनाए हुए है।
- चीन पाकिस्तान को अपने हांग-4 और विंग लूंग-2 ड्रोन की आपूर्ति कर रहा है।
- "पाकिस्तान की सेना में पहले से सात और नौसेना में 3 सीएच-4 ड्रोन मौजूद हैं। तथा उसने चीन से 16 और सशस्त्र सीएच-4 ड्रोन मांगे हैं।
- चीन और अमीर पाकिस्तान आक्रामक नीति का सामना करने के लिए भारत भी ड्रोन खरीदने पर विचार कर रहा है।
- भारत अमेरिका से 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी 'हंटर-किलर' ड्रोन खरीदने के लिए बात कर रहा है।
- भारत इस ड्रोन को इस वर्ष के अंत तक इस बड़े सौदे पर हस्ताक्षर करना चाहता है।

- इन **31** ड्रोन को सेना के तीनों अंगों के लिए खरीदा जाएगा जिसमें नौसेना के लिए **15** तथा सेना व वायुसेना के लिए **8-8** विमान होंगे **।**

- **MQ-9B** को प्रीडेटर-बी ड्रोन**,** के नाम से भी जाना जाता है **।**

- ये ड्रोन निगरानी के लिए **40,000** फीट से अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम है **।**

- ये ड्रोन लगातार **40** घंटे तक उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं

- यह ड्रोन हमला करने में भी सक्षम है **।** सटीक हमलों के लिए इनमे हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलों और स्मार्ट बमों को लगाया गया हैं।

- भारत इन ड्रोन के साथ-साथ और भी कई अत्याधुनिक हथियार खरीदने पर विचार कर रहा है जैसे की **:-**

1. 170 हेलफायर मिसाइलें

2.310 GBU-39B प्रेसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम

3.नेविगेशन सिस्टम

4.सेंसर सूट और मोबाइल ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम

ड्रोन

- इन्हे मानव रहित विमान **(Unmanned Aerial Vehicle-UAV)** भी कहा जाता है।

- ड्रोन का प्रयोग मुख्यतः ऐसे स्थानों पर करते है**,** जहाँ मनुष्य का पहुंचपाना मुश्किल हो या नमुमकिन **।**

ड्रोन के प्रकार –

ड्रोन को उनके भार के अनुसार नागर विमानन महानिदेशालय **(Directorate General of Civil Aviation-DGCA)** के द्वारा मुख्यत **5** कैटेगरी में विभाजित किया गया हैं

1.नैनो ड्रोन: जिनका वज़न **250** ग्राम तक होता है।

2.माइक्रो ड्रोन: जिनका वज़न **250** ग्राम से लेकर **2** किलो ग्राम तक होता है।

3.स्मॉल ड्रोन: जिनका वज़न **2** ग्राम किलो से लेकर **25** किलो ग्राम तक होता है।

4.मीडियम ड्रोन: जिनका वज़न **25** किलो ग्राम लेकर **150** किलो ग्राम तक होता है।

5.लार्ज ड्रोन: इस कैटेगरी में **150** किलो ग्राम से अधिक भार के ड्रोन आते है।

नागस्त्र-1 :-

निर्माण :- नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड द्वारा ।

ये ड्रोन लॉइटरिंग म्यूनिशन (आत्मघाती ड्रोन) की कैटेगरी में आते है।

रेंज :- **30** किमी तक ।

उपयोग :- दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप, ठिकानों और लॉन्च पैड पर हमला करने के लिए ।

निशांत ड्रोन :-

इसको **DRDO** द्वारा निर्मित किया गया है

इसे कैटापुल्ट तकनीक वाले लॉन्चिंग सिस्टम के जरिए उड़ाया जाता है।

इसे नीचे उतरने के लिए पैराशूट की मदद लेनी होती है।

रुस्तम :-

इसका निर्माण **DRDO** द्वारा किया गया है

रुस्तम ड्रोन ने **25** फरवरी**, 2018** को सफल परीक्षण उड़ान भरी थी **।**

इसे **24** घंटे की निगरानी और टोही के लिए विकसित किया जा रहा है।

लक्ष्य :-

इसका निर्माण **HAL** और **DRDO** के द्वारा किया गया है।

उद्देश्य :- लक्ष्य प्राप्ति और टोही है।

हेरॉन UAV :-

यह लगभग **32,000** फीट की ऊंचाई तक जा सकता है

यह ड्रोन एक बार में **24** घंटे से अधिक समय तक उड़ान भरने में सक्षम है।

इसकी अधिकतम सीमा लगभग **3,000** किमी है

यह अपने साथ अधिकतम **250** किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम है।

हार्पी ड्रोन :-

उद्देश्य :- रडार सिस्टम पर हमला करने के लिए

इसकी अधिकतम गति **185** किमी**/**घंटा **ha**

यह **500** किमी तक हमला कर सकता है।

यह उच्च विस्फोटक हथियार ले जा सकता है।

सर्चर मार्क **II** :-

इसके दो वर्जन है सर्चर एमके **I** और **II**

यह **16** घंटे तक हवा में रहने में सक्षम है **।**

यह **18,500** फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है

इसकी अधिकतम सीमा **150** किलोमीटर है

इसका मुख्य उद्देश्य हिमालय रीजन में मिशन के लिए बनाया गया है।

Que. हाल ही में चर्चा में रहा शब्द चिनूक किससे संबंध है

A.हेवी लिफ्ट हेलीकॉप्टर

B.लाइट वेट हेलीकॉप्टर

C.विमान वाहक पोत

D.पनडुब्बी

प्रश्न. एस-**400** वायु रक्षा प्रणाली तकनीकी रूप से दुनिया में वर्तमान में उपलब्ध किसी भी अन्य प्रणाली से कैसे बेहतर है**?**

Topic 2 :- हिडेनबर्ग रिपोर्ट और मॉरीशस का बयान

चर्चा में क्यों:- हाल ही में हिडेनबर्ग रिपोर्ट को प्रकाशित किया गया है जिसके कारण दुनिया की राजनीति में भूचाल आ गया है ।

हिंडेनबर्ग क्या है:-

हिंडनबर्ग **(Hindenburg)**

:- यह एक अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी है जिसके द्वारा **Hindenburg Research** नामक रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है।

हिंडनबर्ग रिसर्च की स्थापना नैट एंडरसन द्वारा **2017** में की गई थी।

हिंडेनबर्ग "फोरेंसिक वित्तीय अनुसंधान" में विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है।

यह संस्थान व्यवसाय जगत में व्याप्त भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी का पता लगता है।

हिंडेनबर्ग, एक अमेरिकी निवेश अनुसंधान फर्म है, जो एक्टिविस्ट शॉर्ट-सेलिंग में विशेषज्ञता रखती है।

शॉर्ट सेलिंग :-

- शॉर्ट सेलिंग प्रक्रिया के अंतर्गत एक निवेशक के द्वारा स्टॉक या प्रतिभूति को उधार लिया जाता है
- खरीदे गए स्टॉक या प्रतिभूति का विक्रय खुले बाज़ार में कर दिया जाता है
- इस बिक्री का उद्देश्य भविष्य में स्टॉक या प्रतिभूति की कीमत में संभावित गिरावट का अनुमान लगाते हुए इन्हे बाद में कम कीमत पर फिर से खरीद लिया जाता है ।
- **SEBI** के द्वारा शॉर्ट सेलिंग को परिभाषित किया गया है जिसके अनुसार :- शॉर्ट सेलिंग स्टॉक को बेचने के की प्रक्रिया है परंतु इस स्टॉक को बेचने के समय विक्रेता का स्वामित्व इन स्टॉक पर नहीं होता ।

पृष्ठभूमिः

- जनवरी **2023** में हिंडनबर्ग ने आरोप लगाए थे की अदानी समूह स्टॉक में हेराफेरी और लेखांकन धोखाधड़ी कर रहा है।
- साथ ही यह भी कहा गया की फंड के प्रबंधन के लिये अनुचित टैक्स हेवन तथा शेल कंपनियों का उपयोग अडानी ग्रुप द्वारा किया जा रहा है।
- साथ ही सेबी चीफ पर भी अडानी ग्रुप का सहयोग करने का आरोप लगाया गया।
- इस रिपोर्ट में मॉरीशस के ऊपर आरोप लगाया गया है कि वह एक टैक्स हेवन कंट्री के रूप में कार्य कर रहा है तथा दूसरे देश की कंपनियों को सेल कंपनी के रूप में प्रयोग करने का अधिकार दे रहा है।

शेल कंपनियाँ

क्या होती हैं :-

'शेल कंपनी' की कोई वैध परिभाषा नहीं है क्योंकि 'शेल कंपनी' को कंपनी अधिनियम, **2013** के अंतर्गत परिभाषित नहीं किया गया है **।**

कंपनी अधिनियम, **2013** के अंतर्गत इनकी गतिविधियों को भी परिभाषित नहीं किया गया है।

लोकप्रचलित भाषा में जिन कंपनियों या कॉरपोरेट संस्थाएँ के पास खुद का न तो कोई सक्रिय व्यवसाय होता है और न ही कोई महत्वपूर्ण संपत्ति होती है ऐसी कंपनियों को शेल कंपनियाँ कहा जाता हैं **।**

'शेल कंपनी' हमेशा विवादों और संदेह में रहती है क्योंकि इनका इस्तेमाल मनी लॉन्डरिंग या कर चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों के लिये किया जाता है।

टैक्स हैवन से आशय :-

उन देशों को टैक्स हेवन **(Tax Haven)** देश कहा जाता है जहाँ टैक्स में भारी बचत होती है इन देशों में अन्य देशों की अपेक्षा या तो बहुत कम कर लगता है या कर बिल्कुल नहीं लगता।

टैक्स हेवन देश विदेशी नागरिकों को, निवेशकों को और उद्यमियों को अधिक आकर्षित करते हैं क्योंकी ये देश दूसरे देश के लोगों को अपने यहां व्यवसाय या निवेश करने या वहाँ किसी उद्यम की स्थापना करने पर उनको कर में भारी छूट प्रदान करते है या कम दर से टैक्स लेते है या बिल्कुल भी टैक्स नहीं लेते।

ऐसे देशों में टैक्स में पारदर्शिता न के बराबर होती है और ये देश दूसरे देश के साथ वित्तीय जानकारी को भी साझा नहीं करते ।

प्रमुख टैक्स हेवन देश पनामा, सेशेल्स, केमैन आईलैंड , पलाऊ , मॉरीशस, स्विजरलैंड, साइप्रस और पनामा ।

टैक्स हैवन का विश्व पर प्रभाव :-

नकारात्मक प्रभाव :-

1. वैश्विक स्तर पर टैक्स चोरी तो बढ़ाता है
2. काले धन की समस्या में वृद्धि होती है।
3. घरेलू टैक्स संग्हण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है
4. वित्त का देश से बाहर की ओर प्रवाह बढ़ता है
5. टैक्स हैवन देशों में शेल कंपनियों को बढ़ावा मिलता है
6. वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
7. वैश्विक स्तर पर मनी लॉड्रिंग, राउंड ट्रिपिंग जैसे आर्थिक अपराधों को बढ़ावा मिलता है।
8. वैश्विक अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता की कमी ।

सकारात्मक प्रभाव

टैक्स हैवन से टैक्स प्रतिस्पर्द्धा में वैश्विक स्तर पर वृद्धि होती है

जिस कारण विकसित और विकासशील देश भी अपने देश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कर की दर मे कमी करते है ।

सेबी :- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड

स्थापना :- **12** अप्रैल, **1992** को स्थापित

किस अधिनियम द्वारा :- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, **1992** के प्रावधानों के अनुसार

किस प्रकार का निकाय :- वैधानिक निकाय (संसद द्वारा स्थापित) ।

कार्य :-

1.प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करना

2. प्रतिभूति बाज़ार को बढ़ावा देना और उनका विनियमित करना ।

मुख्यालय :- मुंबई में

क्षेत्रीय कार्यालय :- अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई और दिल्ली में हैं।

प्रश्न. वित्तीय निवेश की भाषा में 'बियर' शब्द का अर्थ है: **(2010)**

(a) एक निवेशक जिसे लगता है कि किसी विशेष प्रतिभूति की कीमत गिरने वाली है

(b) एक निवेशक जो विशेष शेयरों की कीमत बढ़ने की उम्मीद करता है

(c) एक शेयरधारक या एक बांडधारक जिसका किसी वित्तीय या अन्य कंपनी में हित है

(d) कोई भी ऋणदाता चाहे ऋण देकर या बांड खरीदकर

उत्तर: **(a)**

Topic 3 :- 'अग्नि मैन' के नाम से मशहूर राम नारायण अग्रवाल का निधन

चर्चा में क्यों :- हाल ही में **DRDO** के वैज्ञानिक राम नारायण अग्रवाल का निधन हो गया I इन्हे 'अग्नि मैन' के नाम से भी जाना जाता था I

क्यों थे लोकप्रिय :- अग्नि मिसाइलों के जनक I

इन्होंने भारत में विकसित लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी I

अग्नि मिसाइल भारत द्वारा विकसित एक महत्वपूर्ण बैलिस्टिक मिसाइल है I

अग्नि मिसाइल को डिज़ाइन और विकसित रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (**Defence Research and Development Organisation- DRDO)** द्वारा किया गया हैं।

अग्नि मिसाइल के 5 प्रकार है

अग्नि मिसाइलें:-

अग्नि I: मारक क्षमता :- 700-800 किमी. I

अग्नि II: मारक क्षमता :- 2000 किमी. से अधिक।

अग्नि III: मारक क्षमता :- 2,500 किमी. से अधिक।

अग्नि IV: मारक क्षमता :- 3,500 किमी. से अधिक I

(अग्नि IV को रोड मोबाइल लॉन्चर से भी फायर किया जा सकता है।)

अग्नि V: मारक क्षमता :- 5000 किमी. से अधिक I

अग्नि V मिसाइल इस शृंखला की सबसे एडवांस मिसाइल है यह एक अंतर-महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल **(Inter-Continental Ballistic Missile- ICBM)** है

भारत द्वारा विकसित अन्य मिसाइल :- पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, नाग और आकाश

प्रश्न: अग्नि-IV मिसाइल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2014)

1.यह सतह-से-सतह पर मार करने वाली मिसाइल है।

2.यह केवल तरल प्रणोदक द्वारा संचालित होती है।

3. यह लगभग 7500 किमी. दूर एक टन परमाणु आयुध पहुँचा सकती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)